धिन माता धिन धरती ए,
तन कदे न देखी फिरती ए,
बड़ा बड़ा नर गीटगी ए,
तन कदे न देखी फिरती ए।।

धरती रो धणियाप करंता,
केई नर होगिया आगे,
रावण कुंभकरण सा योद्धा,
गया धड़िंदा खाता ए,
धीन माता धीन धरती ए,
तन कदे न देखी फिरती ए।।

भीम सरिखा बलवत योद्धा,
नीत वट करता कुस्ती है,
हिमाले मे हाड गालयो,
तोई नहीं आई सोमवती ए,
धीन माता धीन धरती ए,
तन कदे न देखी फिरती ए।।

तारु तो नावड़िया चाले,
नदिया चाले गीरती ए,
चांद सूरज चारो बेचारे,
नतर हाले फिरती ए,
धीन माता धीन धरती ए,

तन कदे न देखी फिरती ए।।

देवनाथ गुरु पुरा मिलिया,
सतगुरु मिलिया सीवरती ए,
ए कहे रैमान सुणो भाई साधो,
जाती जोग भगत की रे,
धीन माता धीन धरती ए,
तन कदे न देखी फिरती ए।।

धिन माता धिन धरती ए,
तन कदे न देखी फिरती ए,
बड़ा बड़ा नर गीटगी ए,
तन कदे न देखी फिरती ए।।

गायक बालुराम सियाक।
प्रेषक महेंद्र ढाका।
7568206629

Source:
https://www.bharattemples.com/dhin-mata-dhin-dharti-tane-kadi-na-dekhi-firti/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw